www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

SB NEWS

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 राष्ट्र संस्कृति से साक्षात्कार कराता पं....
3 केन्द्रीय रेल मंत्री रहे पाली दौरे पर, चूड़ी व्यवसाय...
4 केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने करनाल को दी 28...

वर्ष: 9 | अंक: 333 | दिल्ली, शुक्रवार, 26 सितम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

लेह हिंसा के बाद एक्शन मोड में केंद्र सरकार, सोनम वांगचुक की संस्था का विदेशी फंडिग वाला लाइसेंस कैंसिल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सोनम वांगचुक के गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख का एफसीआरए लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया। यह फैसला लद्दाख में हुई हिंसा के बाद लिया गया है जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने अपने आदेश में कहा कि लद्दाख के कार्यकर्ता के गैर-लाभकारी संगठन ने विदेशी चंदा नियमों का 'बार-बार' उल्लंघन किया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि वांगचुक के व्यक्तिगत और संयुक्त खातों में धन प्राप्त हुआ, जो एफसीआरए 2010 का सीधा उल्लंघन है। इसमें आगे कहा गया है कि उनके एनजीओ को 2021 और 2024 के बीच विदेशों से करोड़ों रुपये मिले, जिससे संभावित मनी लॉन्ड्रिंग की चिंता बढ़ गई, क्योंकि ये बाहरी विदेशी धन अज्ञात संस्थाओं को भेजे गए थे। गृह मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि सोनम वांगचुक खुद को जनता के प्रतिनिधि के रूप में पेश कर रहे हैं, लेकिन वित्तीय कदाचार का उनका रिकॉर्ड कुछ और ही बताता है।

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

जम्मू कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास आर एस पुरा सेक्टर से एक पाकिस्तानी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस महीने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा इस क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया यह दूसरा पाकिस्तानी नागरिक है। अधिकारियों ने बताया कि सतर्क बीएसएफ कर्मियों ने सरहद पार से इस ओर घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति की गतिविधि देखीं और भारतीय क्षेत्र में घुसते ही उसे पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त टीमें उससे पूछताछ कर रही हैं। आर एस पुरा सेक्टर के ऑक्ट्रॉय क्षेत्र सेआठ सितंबर को एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के सरगोधा के निवासी घुसपैठिए सिराज खान को चेतावनी देने पर जवानों ने कुछ गोलियां चलाईं। उसे सीमा पर बाड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से कुछ पाकिस्तानी नोट बरामद किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान में 1,22,100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यो का उद्घाटन और शिलान्यास किया

हमारी सरकार स्वच्छ ऊर्जा मिशन को जन आंदोलन में बदल रही हैः प्रधानमंत्री

संजना भारती/पीआईबी

राजस्थान। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में 1,22,100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नवरात्रि के चौथे दिन, प्रधानमंत्री ने बांसवाड़ा में माँ त्रिपुरा सुंदरी की पावन धरती पर आने को अपना सौभाग्य कहा। उन्होंने बताया कि उन्हें कांठल और वागड़ की गंगा कही जाने वाली माँ माही के दर्शन करने का भी अवसर मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि माही का जल भारत के जनजातीय समुदायों के लचीलेपन और संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने महायोगी गोविंद गुरु जी के प्रेरक नेतृत्व पर प्रकाश डाला, जिनकी विरासत आज भी गूंजती है और माही का पवित्र जल उस महान गाथा का साक्षी है। श्री मोदी ने माँ त्रिपुरा सुंदरी और माँ माही को नमन किया और भक्ति एवं वीरता की इस भूमि से उन्होंने महाराणा प्रताप और राजा बांसिया भील को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

श्री मोदी ने कहा कि नवरात्रि के दौरान, देश में शक्ति के नौ रूपों की पूजा की जाती है, और बांसवाड़ा में आज का प्रमुख कार्यक्रम ऊर्जा शक्ति - ऊर्जा उत्पादन को समर्पित है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राजस्थान की धरती से भारत के बिजली क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने

राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 90,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिजली परियोजनाओं के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतने बड़े पैमाने पर परियोजनाओं का एक साथ आरंभ होना ऊर्जा क्षेत्र में भारत की तेजी से हो रही प्रगति की झलक दिखाता है, जिसमें देश का हर क्षेत्र सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है और सभी राज्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। राजस्थान में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं और पारेषण लाइनों की आधारशिला रखी गई है। श्री मोदी ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया और बांसवाड़ा में राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सौर ऊर्जा से लेकर परमाणु ऊर्जा तक, भारत बिजली उत्पादन क्षमता में नई ऊँचाइयों को छू रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज के तकनीक और उद्योग के युग में, विकास बिजली की शक्ति पर निर्भर करता है; बिजली प्रकाश, गति, प्रगति, संपर्क और वैश्विक पहुँच लाती है।" उन्होंने बिजली के महत्व की उपेक्षा करने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। श्री मोदी ने कहा कि जब 2014 में उनकी सरकार सत्ता में आई थी, तब 2.5 करोड़ घरों में बिजली के कनेक्शन नहीं थे और आजादी के 70 साल बाद भी, 18,000 गाँवों में एक भी बिजली का खंभा नहीं लगा था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बड़े शहरों में घंटों बिजली कटौती होती थी और गाँवों में तो 4-5 घंटे बिजली भी महत्वपूर्ण मानी जाती थी। बिजली की अनुपस्थिति ने कारखानों के संचालन और नए उद्योगों की स्थापना में बाधा डाली, जिसका असर राजस्थान जैसे राज्यों और पूरे देश पर पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में उनकी सरकार ने इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि हर गाँव तक बिजली पहुँचाई गई और 2.5 करोड़ घरों को मुफ्त कनेक्शन दिए गए। जहाँ भी बिजली की लाइनें पहुँचीं, वहाँ बिजली पहुँची-जिससे जीवन आसान हुआ और नए उद्योगों का विकास संभव हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी देश को 21वीं सदी में तेजी से विकास करने के लिए, अपने बिजली उत्पादन को बढ़ाना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सबसे सफल देश वे होंगे जो स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी होंगे। श्री मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना की शुरूआत की घोषणा करते हुए जोर देकर कहा, "हमारी सरकार स्वच्छ ऊर्जा मिशन को एक जन आंदोलन में बदल रही है।" इस योजना के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में छतों पर सौर पैनल लगाए जा रहे हैं। किसानों को सस्ती बिजली सुनिश्चित करने के लिए, पीएम-कुसुम योजना कृषि क्षेत्रों में सौर पंपों की स्थापना की सुविधा प्रदान कर रही है।

वरिष्ठ नागरिकों की हर समस्या के लिए दिल्ली सरकार के दरवाजे खुले हैं: रविन्द्र इन्द्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने गुरुवार को बवाना के पंचायत भवन, नांगल ठाकरान में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरित किये। श्री इन्द्राज ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अंत्योदय संकल्प की दिशा में इस संकल्प की प्रेरणा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर यह आयोजन हुआ है। कार्यक्रम में उच्च गुणवत्ता वाले करीब आठ लाख रुपए के उपकरणों का वितरण हुआ।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के आदर्शों और योगदान की जानकारी देते हुए श्री इन्द्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार वरिष्ठ नागरिकों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर है और ऐसे आयोजन

'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंत्योदय के संकल्प की दिशा में काम कर रही दिल्ली सरकार'

लगातार होते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पंक्ति में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में लाना और अंतिम छोर तक विकास पहुँचाना ही यशस्वी प्रधानमंत्री जी का संकल्प है और यही सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य है।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि किसी भी पात्र वरिष्ठ नागरिक को यदि पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है तो वह आवेदन कर सकता है, यदि उसे सहायक उपकरण की आवश्यकता है तब भी हमें सूचित कर सकता है। माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के निर्देश हैं कि वरिष्ठ नागरिकों को दिल्ली सरकार की सभी संबंधित योजनाओं का लाभ मिले। सेवा पखवाड़े में दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 हजार पेंशन वैकेंसी आईं, साथ ही सावित्री बाई फुले ओल्ड एज होम, पश्चिम विहार का भी उपहार दिया गया। इस होम के जरिये 96 वरिष्ठ नागरिकों के लिए आधुनिक व सुरक्षित आवास मिला।

आयोजन में करीब सौ वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन लाभान्वित हुए हैं। वितरित किए गए उपकरणों में व्हीलचेयर, वॉकर, व्हील बेयर एवं व्हील बेयर कमोड, कान की मशीन, चश्मा, सिलिकॉन फोम तकिया, स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट, नी प्रेस, सर्वाइकल कॉलर और अन्य किट शामिल रहीं।

दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का पंचकूला से शुभारंभ

सीएम नायब सिंह सैनी ने किया राज्यव्यापी योजना का शुभारंभ, मोबाइल एप भी की लॉन्च

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को पंचकूला से महत्वाकांक्षी दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का शुभारंभ किया और मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया गया। इस अवसर पर जिला फतेहाबाद में भी लाडो लक्ष्मी योजना कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से नागरिक अस्पताल के भवन के नवीनीकरण कार्य का भी उद्घाटन किया।

श्री पंवार ने इस योजना को महिलाओं के जीवन में बदलाव लाने वाला कदम बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपये देने का वायदा किया था, जिसे आज पूर्ण किया गया है। उन्होंने कहा कि यह योजना चरणबद्ध तरीके से लागू की जा रही है और आज के शुभारंभ अवसर पर जिला फतेहाबाद की 25 हजार महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार व भाजपा संगठन जनता से किए गए वादों को निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। लाडो लक्ष्मी योजना महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने

और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार का लक्ष्य महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना है। इसी दिशा में कई ठोस कदम उठाए गए हैं। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। संसद द्वारा लोकसभा व विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान पारित किया गया है, जिसका लाभ आगामी परिसीमन में मिलेगा।

प्रदेश की लगभग 66 हजार महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। महिलाओं के उत्पादों की बेहतर बिक्री के लिए सांझा बाजार स्थापित किए जा रहे हैं। करनाल और फतेहाबाद में ये बाजार शुरू हो चुके हैं और शीघ्र ही अन्य जिलों में भी खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं को गैस कनेक्शन उपलब्ध करवाए गए हैं, वहीं बीपीएल परिवारों की महिलाओं को रियायती दर पर गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में महिला संस्कृति केंद्र, हर गांव में व्यायामशालाएं और इनडोर जिम तथा पंचायत विभाग द्वारा हर गांव में ई-पुस्तकालय स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि महिलाएं और युवा अपनी क्षमता का विकास कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने भी नागरिकों को बड़ी राहत दी है। मध्यम वर्ग को आयकर में 12 लाख रुपये तक की छूट दी गई है, जबकि हाल ही में जीएसटी दरों में कटौती से आम लोगों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस को समर्पित राज्य स्तरीय समारोहों के लिए लोगो जारी किया

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस को समर्पित राज्य स्तरीय यादगारी समारोहों के लिए लोगो जारी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य भर में इस महान दिवस को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम तय आयोजन किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से ये ऐतिहासिक समारोह मुख्य रूप से श्री आनंदपुर साहिब की पावन धरा पर आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि श्रृंखलाबद्ध आयोजनों से लोगों को नवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वारा दिखाए धर्मनिरपेक्षता, मानवता और बलिदान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा

किए हैं। उन्होंने कहा कि हिंद दी चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस के पावन अवसर पर पंजाब सरकार की ओर से ऐतिहासिक समारोह आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 25 अक्तूबर को दिल्ली में विशाल कीर्तन दरबार होगा और 25 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब में बड़ा कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि 20 नवंबर से जम्मू, गुरदासपुर, फरीदकोट और तख्त श्री दमदमा साहिब से चार नगर कीर्तन आरंभ किए जाएंगे। ये चारों नगर कीर्तन 22 नवंबर की शाम को श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेंगे और इस पवित्र नगरी में 23 से 25 नवंबर तक राज्य सरकार की ओर से विभिन्न मिलेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि गुरु साहिब ने धर्म की स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्याय, जुल्म और दमन के खिलाफ गुरु साहिब का यह महान बलिदान मानवता के इतिहास में बेमिसाल है। उन्होंने कहा कि पावन श्री गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज गुरु तेग बहादुर जी की वाणी मानव एकता, विश्वव्यापी भाईचारा, बहादुरी, अध्यात्म और दया का संदेश देती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये श्रृंखलाबद्ध आयोजन महान सिख गुरु को सच्ची श्रद्धांजलि होंगे और लोगों को उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करने की प्रेरणा देंगे।

महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने विधान सभा का भ्रमण किया

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। कानपुर के महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं का एक दल विधानसभा भ्रमण हेतु लखनऊ पहुंचा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने उनसे आत्मीय संवाद किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था की गहन जानकारी साझा की।

श्री महाना ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एक विधायक अपनी जनता से सबसे निकट जुड़ा होता है। उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता की समस्याओं को समझना और उनके समाधान की दिशा में काम करना होती है। उन्होंने कहा कि पहली बार चुनाव जीतना अपेक्षाकृत सरल हो सकता है, किंतु लगातार जनता का विश्वास अर्जित करना कहीं अधिक कठिन कार्य है। यही किसी जनप्रतिनिधि की असली पहचान है। विधानसभा अध्यक्ष ने

सतीश महाना ने आत्मीय संवाद किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था की गहन जानकारी साझा की

विद्यार्थियों को विधायिका की भूमिका और महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधायिका ही वह सर्वोच्च मंच है जहां जनता की आवाज उठती है, समस्याओं पर चर्चा होती है और उनके समाधान के लिए कानून बनाए जाते हैं।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका कभी खराब नहीं हो सकती, केवल उससे जुड़े व्यक्ति यदि अपने कर्तव्यों से विमुख हों तो उसकी छवि प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे में जनता से जुड़े प्रतिनिधि ही प्रदेश की दिशा और गति तय करते हैं। विधायक अपने क्षेत्र की नब्ज पहचानता है और उसी अनुभव के आधार पर प्रदेश व देश के लिए नीतियां तैयार होती हैं। छात्रों से संवाद करते हुए श्री महाना ने उनसे आग्रह किया कि वे इस अनुभव को केवल अपने तक सीमित न रखें, बल्कि अपने घर-परिवार और मित्रों के साथ भी साझा करें। उन्होंने कहा कि ऐसे भ्रमण युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आस्था और प्रतिबद्धता को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

भ्रमण के दौरान छात्रों ने विधानसभा की कार्यप्रणाली का निकट से अवलोकन किया और कई जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे। श्री महाना ने उनके उत्साह और जागरूकता की सराहना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि यही युवा भविष्य में लोकतंत्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

पंजाब सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों को मुफ्त देगी 2 लाख क्विंटल गेहूँ के बीज

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हाल ही में आए भीषण बाढ़ों से प्रभावित किसानों की सहायता के लिए पंजाब सरकार आगामी रबी सीजन के लिए दो लाख क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले गेहूँ के बीज मुफ्त में वितरित करेगी।

यह घोषणा पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड़ियां ने आज पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कृषि विभाग के प्रबंधकीय सचिव डॉ. बसंत गर्ग भी मौजूद थे।

स. खुड़ियां ने कहा कि यह सहायता, जिस पर लगभग 74 करोड़ रुपये खर्च होंगे, का उद्देश्य खरीफ सीजन-2025 के दौरान भारी बारिश और बाढ़ के कारण नुकसान हुए 5 लाख एकड़ कृषि भूमि की बुवाई संबंधी जरूरतों को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि बाढ़ ने पंजाब के कई जिलों में भारी नुकसान पहुँचाया है, जिससे धान, नरमा और मक्की की खरीफ फसलें बर्बाद हो गई और बड़ी संख्या में किसानों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। स. खुड़ियां ने बताया कि बाढ़ प्रभावित किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले गेहूँ के बीज मुफ्त में वितरित करने के लिए पनसीड को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है।

'स्वयंवर में सीता हुईं राम की, श्रद्धालुओं ने कहा जय सियाराम'

डीडीए रामलीला ग्राउंड, सेक्टर-23 रोहिणी में रामलीला में 100 से अधिक कलाकार दे रहे हैं प्रस्तुति

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। डीडीए रामलीला ग्राउंड, सेक्टर-23 रोहिणी में चल रही सनातन संस्कारम रामलीला में बुधवार को भक्तिभाव और सांस्कृतिक उल्लास के बीच अहिल्या उद्धार, सीता जन्म, सीता स्वयंवर और लक्ष्मण-परशुराम संवाद जैसे अद्भुत प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। संतों के आशीर्वाद से रामलीला का शुभारम्भ हुआ और पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण छाया रहा। रामलीला समिति के चेयरमैन एवं दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री श्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि थीम 'नारी का सम्मान' है, जिसके माध्यम से हम नई पीढ़ी तक महाकाव्यों में निहित आदर्श और मूल्यों को पहुँचा रहे हैं। उन्होंने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं और कलाकारों को बधाई देते हुए कहा कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक संस्थाएं और

रामभक्त उपस्थित रहे। मंचन के दौरान दर्शकों ने पारंपरिक संगीत, आकर्षक पोशाकों और प्रभावशाली अभिनय का भरपूर आनंद लिया।

रामलीला में सेवा पखवाड़े को केंद्र में रखते हुए नशा मुक्ति और विकसित दिल्ली संकल्प जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी पूरे आयोजन में दिए जा रहे हैं। साथ ही वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी उत्पादों, स्वच्छता, जल संरक्षण और हरित दिल्ली जैसे संदेशों का भी व्यापक प्रसार हो रहा है।

सम्पादकीय

राजनीतिक उथल-पुथल और असंतोष का केंद्र बना हुआ है 'लद्दाख'

कश्मीर में पत्थरबाजी बंद होना और लद्दाख में शुरू होना कोई संयोग है या विदेशी ताकतों का प्रयोग, इस बात का पता तो जांच एजेंसियां लगा ही लेंगी लेकिन इतना तो स्पष्ट दिख ही रहा है कि स्वभाव से शांत रहने वाले इस केंद्र शासित प्रदेश में अशांति फैलाने के प्रयास निरंतर हो रहे हैं। देखा जाये तो लद्दाख में एक दिन पहले हुई हिंसक घटनाओं ने पूरे देश को चौंका दिया, जिसमें चार लोगों की मृत्यु हो गयी और 80 से अधिक लोग घायल हो गये। खास बात यह रही कि इन घटनाओं के केंद्र में पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का नाम एक बार फिर प्रमुखता से उभर कर सामने आया है। हम आपको बता दें कि सोनम वांगचुक स्वयं को जलवायु कार्यकर्ता के रूप में प्रस्तुत करते हैं, लेकिन उनके बयानों और आंदोलनों ने कई बार लद्दाख में अस्थिरता पैदा की है। वर्ष 2024 में उन्होंने दिल्ली की ओर एक पदयात्रा के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि लद्दाख को लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है और बेरोजगारी बढ़ रही है। उनके शब्दों में, लद्दाखियों के पर काट दिए गए हैं, उन्हें लोकतंत्र नहीं दिया गया और उनके हाथ काट दिए गए हैं, क्योंकि रोजगार उपलब्ध नहीं है। ऐसे बयानों ने न केवल युवाओं में असंतोष को हवा दी बल्कि यह संदेश भी दिया कि केंद्र सरकार जानबूझकर स्थानीय लोगों को दरकिनार कर रही है। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक दिल्ली बॉर्डर पर धरना दे चुके हैं और वहाँ से लौटकर उन्होंने लद्दाख के युवाओं में आंदोलन की लहर जगाने की कोशिश की थी। आरोप है कि वह बार-बार ऐसे मंच चुनते हैं, जहाँ से उनका संदेश सीधे-सीधे लद्दाख के संवेदनशील समाज को आंदोलित करता है। बुधवार को जिस तरह से राज्य के दर्जे और छठी अनुसूची की मांग को लेकर प्रदर्शन हिंसक हुआ, वह लद्दाख के हालिया इतिहास का सबसे काला दिन कहा जा सकता है। लेह की सड़कों पर कर्फ्यू लगाना पड़ा, वाहन जलाए गए, पुलिस पर हमले हुए और अंततः सुरक्षा बलों को भीड़ पर नियंत्रण के लिए आंसू गैस छोड़नी पड़ी। देखा जाये तो यह कोई स्वस्फूर्त घटना नहीं, बल्कि लगातार चल रही असंतोष की राजनीति का परिणाम था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्थिति को शाम चार बजे तक नियंत्रण में लाने की पुष्टि की और साथ ही यह भी कहा कि पुरानी या भड़काऊ वीडियो सोशल मीडिया पर न फैलाएं। इससे यह संकेत मिलता है कि हिंसा फैलाने में सोशल मीडिया की भी बड़ी भूमिका रही। देखा जाये तो लद्दाख की भौगोलिक स्थिति इसे और भी संवेदनशील बनाती है। यह क्षेत्र सीधे पाकिस्तान और चीन की सीमा से सटा हुआ है। यहां किसी भी प्रकार की अशांति भारत की सुरक्षा और सामरिक हितों पर सीधा प्रभाव डाल सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थानीय स्तर पर असंतोष को हवा दी जाती है, तो इसका फायदा दुश्मन देशों द्वारा उठाया जा सकता है। चीन और पाकिस्तान लंबे समय से लद्दाख में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करते रहे हैं। ऐसे में वांगचुक जैसे लोगों के भड़काऊ बयान और आंदोलन न केवल स्थानीय शांति को खतरे में डालते हैं, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी जोखिमपूर्ण हैं। हालांकि यह सच है कि लद्दाख के लोगों की कुछ वास्तविक चिंताएँ हैं जैसे-राज्य की मांग, संविधान की छठी अनुसूची में सुरक्षा और रोजगार के अवसर। लेकिन जब इन्हीं मुद्दों को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है कि लोग शासन से पूरी तरह मोहभंग महसूस करें और हिंसा पर उतारू हो जाएँ, तब यह आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग से हटकर अराजकता का रूप ले लेता है। सोनम वांगचुक पर आरोप है कि वह अपनी लोकप्रियता का इस्तेमाल जनभावनाओं को शांत करने की बजाय भड़काने में करते हैं। देखा जाये तो लद्दाख को स्थायी शांति और विकास की ओर ले जाने के लिए केंद्र सरकार को अब और अधिक संवेदनशील तथा संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। गृह मंत्रालय ने संवैधानिक सुरक्षा देने की बात दोहराई है, जो कि सही दिशा में कदम है। लेकिन साथ ही यह भी आवश्यक है कि समाज के भीतर से ऐसे तत्वों को चिन्हित किया जाए जो आंदोलन की आड़ में क्षेत्र को अस्थिर करने का प्रयास करते हैं। लद्दाख भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रहरी है। यहां हिंसा और अव्यवस्था किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हो सकती। सोनम वांगचुक जैसे नेताओं को यह समझना होगा कि उनके शब्द और कार्य केवल आंदोलन को नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा को प्रभावित करते हैं। लोकतंत्र में असहमति का स्थान है, लेकिन जब असहमति हिंसा में बदल जाए, तो यह न केवल उस क्षेत्र बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए खतरे का संकेत बन जाती है। साथ ही लद्दाख के युवाओं को भी यह समझना होगा कि वह ऐसे नेताओं से सावधान रहें जो लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी बात सरकार तक पहुँचाने की बजाय उग्र आंदोलनों और टकराव की राह चुनते हैं। सोनम वांगचुक जैसे लोग भले ही आंदोलनों की शुरूआत करें और युवाओं को सड़कों पर उतरने के लिए प्रेरित करें, लेकिन जब स्थिति हिंसा में बदलती है, तो वही लोग शांति की अपील करके स्वयं किनारे हो जाते हैं। तब तक नुकसान केवल उन मासूम युवाओं का होता है, जिनका भविष्य दांव पर लग चुका होता है। यह समय है कि लद्दाख के युवा विवेकपूर्ण निर्णय लें और लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर रहकर अपनी मांगें रखें, ताकि उनका आंदोलन दुश्मन की साजिश का हिस्सा न बने और न ही उनका जीवन हिंसा की आग में झुलसे।

जयंती

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर

जन्म-26 सितम्बर, 1820, पश्चिम बंगाल; मृत्यु-29 जुलाई, 1891, कोलकाता) भारत के प्रसिद्ध समाज सुधारक, शिक्षा शास्त्री व स्वाधीनता सेनानी थे। वे गरीबों व दलितों के संरक्षक माने जाते थे। उन्होंने स्त्री-शिक्षा और विधवा विवाह पर काफी जोर दिया। ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने 'मेट्रोपोलिटन विद्यालय' सहित अनेक महिला विद्यालयों की स्थापना करवायी तथा वर्ष 1848 में वैताल पंचविंशति नामक बंगला भाषा की प्रथम गद्य रचना का भी प्रकाशन किया। नैतिक मूल्यों के संरक्षक और शिक्षाविद विद्यासागर जी का मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषा के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के श्रेष्ठ को हासिल किया जा सकता है।

पुण्यतिथि

टी. बी. कुन्हा

जन्म-2 अप्रैल, 1891, गोवा, मृत्यु-26 सितंबर, 1958) गोवा के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे। ये ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने अपना सब कुछ न्योछावर करके गोवा को स्वतंत्र कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। डॉ. टी. बी. कुन्हा जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपार कष्ट सह कर गोवा को 1961 में स्वतंत्रता दिलाई। आधुनिक भारत के यशस्वी सपूत टी. बी. कुन्हा "गोवा के जनक" के रूप में माने जाते हैं। वे एक दूरद्रष्टाराष्ट्रवादी स्वतंत्रता सेनानी थे।

कल मिलेंगे

पति-आज रोटी कुछ ज्यादा ही पतली बनी है?
पत्नी-बाहर होटल में बर्गर खाने के लिए इतना बड़ा मुंह खोलते हो, चुपचाप खा लो!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

राष्ट्र संस्कृति से साक्षात्कार कराता पं. दीनदयाल उपाध्याय का राजनीतिक दर्शन

-कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का विभिन्न विचारधाराओं और पश्चिमी व्यवस्थाओं को लेकर उनका गहन अध्ययन रहा है। वे व्यापक शोध एवं विश्लेषण के उपरान्त निष्कर्षत: यह कहते हैं कि-पश्चिम की नकल मॉडर्न होने का प्रमाण बन गया है। यह चहुँमुखी अनुकरण ठीक नहीं, क्योंकि पश्चिमी चिन्तन और व्यवस्था मानव कल्याण में असफल रही है। आगे वे मैकॉले शिक्षा प्रणाली और उसके दुष्प्रभाव पर कहते हैं-किसी ने स्वदेशी पर जोर दिया तो उसे असभ्य बता दिया जाता है

भारतीय राजनीति के वृहदाकाश में दैदीप्यमान पं. दीनदयाल उपाध्याय अपने राष्ट्रीय विचारों और प्रखर चिंतक, विचारक के तौर पर लब्धप्रतिष्ठित हैं। सनातन हिन्दू संस्कृति के मुखर पक्षधर और तदानुरुप रीति-नीति के आधुनिक राजनीतिक प्रवर्तकों की अग्रगण्य पंक्ति में उनकी गिनती होती है। पंडित जी ने केवल विचार ही नहीं दिए...अपितु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जनसंघ के माध्यम से विचारों को धरातलीय रूप भी दिया। एकात्म मानव दर्शन और अन्त्योदय जैसे मूल्य जनसंघ से होते हुए वर्तमान भाजपा की नीतियों में स्पष्ट परिलक्षित होते हैं। पण्डित जी विचारकों में प्रतिष्ठित व सुशोभित होने के साथ-साथ ही चिन्तन और दर्शन के बहुआयामी लोकल्याणकारक मान-बिन्दुओं के द्वारा नूतन प्रस्थापनाएँ करते हैं। साथ ही वैचारिक और कार्य स्तर पर कई सारी भ्रामक, अहितकारी रूढ़ियों को तोड़ते हुए भारतीयता के अनुरूप मार्ग प्रशस्त करते हैं। उनके विचार एवं दर्शन के विविध रुप हैं जिनमें उनका राजनीतिक दर्शन भी अपने आप में अनूठा है। उनके राजनीतिक दर्शन के मूल में भी-राष्ट्र, संस्कृति, धर्म, उच्च आदर्श और समाज है। वे स्पष्ट उद्घोषणा करते हैं कि राजनीति राष्ट्र के लिए ही होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की संकीर्णता या स्वार्थ प्रेरित हित लाभ के दृष्टिकोण-अराष्ट्रीय प्रवृत्ति एवं भारत की राष्ट्रीयता के लिए एक प्रकार का खतरा ही हैं। वे राजनीतिक शुचिता व राजनीति, दल, विचारधारा के मूल में राष्ट्रोन्नति और जनकल्याण को ही रखते हैं। येनकेन प्रकारेण सत्ता प्राप्ति, अवसरवादिता और मूल्यों से पृथक राजनीति को तिलाञ्जलि देते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय एक श्रेष्ठ चिंतक-विचारक होने के साथ सजग थे। उन्होंने भारत ही नहीं बल्कि विश्व परिदृश्य में गहरा हस्तक्षेप करने वाली विचारधाराओं का गहन अध्ययन किया था। भारतीय दृष्टि के आधार पर उनका विश्लेषण और मीमांसा की थी। वे भारतीय राजनीति और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव रखने वाली विचारधाराओं की तात्विक समीक्षा करते हुए उनका नीर-क्षीर विवेचन करते हैं। साथ ही स्वातन्त्र्योत्तर काल के उपरान्त पश्चिमी प्रभाव से ग्रस्त राजनीतिज्ञों की स्वदेशी की ओर न देखकर पश्चिम के अन्धानुकरण की प्रवृत्ति का विरोध करते हैं। पश्चिमी अन्धानुकरण की प्रवृत्तियों को पंडित जी भारत और भारतीयता के लिए आत्मध्वन्सात्मक बतलाते हैं। उनके मतानुसार-आधुनिक पाश्चात्य देशों का उदय केवल पाँच सौ से सात सौ वर्षों की अवधि के पूर्व ही हुआ है, किन्तु भारत हजारों वर्षों से आसेतु हिमालय की भाँति एक उत्कृष्ट राष्ट्र के रूप में अवस्थित है। अतएव वे पाश्चात्य देशों की कसौटी और उनके निष्कर्षों पर भारत के आँकलन और अनुकरण करने को न्यायसंगत नहीं मानते हैं। दीनदयाल जी का मानना था कि-जो हमारा है उसे समयानुकूल बनाया जाए तथा जो विदेशी है, उसे राष्ट्रानुकूल बनाया जाए। वे भारतीय समाज में केवल विदेशी होने के कारण श्रेष्ठताबोध और भारतीय होने के कारण उसे उपेक्षित और नकारने की दुष्प्रवृत्ति का विरोध करते हैं। चूँकि राजनीतिक अन्धानुकरण के चलते स्वातंत्र्योत्तर भारत में पराजयबोध, हीनभावना की व्याप्ति अकादमिक स्तर पर क्रमशः स्थापित की गई। इसलिए वे इस पर तीक्ष्ण प्रहार करते हुए कहते हैं-स्वत्व एवं स्वाभिमान का मेरुदण्ड सीधा तना न हो तो विश्व में भौतिक दृष्टि से बलशाली, प्रभावशाली,विजयशाली तथा वैभवशाली माने जाने वाले राष्ट्रों का अनुसरण करने की प्रवृत्ति बल पकड़ती है। अपने पिछड़े और दरिद्र समाज से लज्जा आने लगती है। यह अनुसरण बड़ी बातों से लेकर छोटी-छोटी दैनिक बातों तक छनता चला आता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का विभिन्न विचारधाराओं और पश्चिमी व्यवस्थाओं को लेकर उनका गहन अध्ययन रहा है। वे व्यापक शोध एवं विश्लेषण के उपरान्त निष्कर्षतः यह कहते हैं कि-पश्चिम की नकल मॉडर्न होने का प्रमाण बन गया है। यह चहुँमुखी अनुकरण ठीक नहीं, क्योंकि पश्चिमी चिन्तन और व्यवस्था मानव कल्याण में असफल रही है। आगे वे मैकॉले शिक्षा प्रणाली और उसके दुष्प्रभाव पर कहते हैं-किसी ने स्वदेशी पर जोर दिया तो उसे असभ्य बता दिया जाता है। हम ब्रिटिशों से हार गए। चालाक मिशनरियों तथा शासकों ने मैकॉले शिक्षा प्रणाली के माध्यम से हमारे मन में अनेक बीज बो दिए। तब से हमारे शिक्षितों में और उनकी देखादेखी समाज के अन्य लोगों में भी पाश्चात्यों के अनुकरण की प्रवृत्ति बढ़ती गई है। स्वतन्त्रता के बाद तो वह निरंकुश हो गई है। वे मार्क्स के दर्शन के पूर्णतः भौतिकवादी होने के सिद्धांत को अनुपयुक्त मानते हैं जिसके उदाहरण के तौर पर वो रूस, चीन के क्रूर प्रकरणों का विश्लेषण करते हैं। वहीं पंडित जीसमाजवाद और लोकतान्त्रिक समाजवाद के द्वारा मनुष्य की स्वतन्त्रता की समाप्ति और समाजवाद के द्वारा मानवीय जीवन में राज्य के वर्चस्व को भी अस्वीकार करते हैं। वे कहते हैं कि 'लोकतान्त्रिक समाजवाद' जैसी कोई चीज नहीं है, शब्द भर है। क्योंकि समाजवाद लाने में लोकतन्त्र की हत्या करनी पड़ती है। साथ ही उन्होंने पूँजीवादी व्यवस्था को भी मानव कल्याण के लिए असफल माना है। इन सबका हल सुझाते हुए वे कहते हैं-विश्व की समस्याओं का हल समाजवाद पूँजीवादी लोकतन्त्र नहीं, वरन्‌ हिन्दूवाद है। यही एक ऐसा जीवनदर्शन है जो जीवन का विचार करते समय उसे टुकड़ों में नहीं बाँटता, अपितु सम्पूर्ण जीवन को इकाई मानकर उसका विचार करता है। वे इसे हिन्दुत्व और मानवता के तौर पर स्वीकार किए जाने की बात करते हुए स्पष्ट कहते हैं कि -यही भारत की आत्मा के अनुरूप व जनमानस में उत्साह को सञ्चारित करेगा। साथ ही विभ्रान्ति के चौराहे में खड़े विश्व के लिए मार्गदर्शक के रूप में भी काम करेगा।

पंडित जी राष्ट्र को जीवमान इकाई मानते हुए कहते हैं किझ एक भूमि विशेष में रहने वाले लोगों का, जिनके हृदय में मातृभूमि के प्रति असंदिग्ध श्रद्धा का भाव हो, जिनके जीवनादर्शों में साम्य हो, जीवन के प्रति स्पष्ट दृष्टि हो, शत्रु-मित्र समान हों। ऐतिहासिक महापुरुष एक हों; इन सबसे राष्ट्र का निर्माण होता है। इसके विपरीत आक्रान्ता से इसलिए सहानुभूति रखना कि वे हम-मजहब हैं, अराष्ट्रीय प्रवृत्ति है। इसी तरह वैश्विक राजनीति और भारतीय परिदृश्य में राष्ट्रवाद सर्वदा चर्चित रहता है, भारत की वामपंथी विचारसरणी, सिद्धांत विहीन दल-भारतीय राष्ट्रवाद-राष्ट्रीय विचारों को प्रायः हिटलर, मुसोलिनी से जोड़कर लाँछित करने लगते हैं। जबकि यह सर्वज्ञात तथ्य है कि भारत की राष्ट्रीय एकीकरण की भावना के कारण ही स्वातन्त्र्य यज्ञ सफल हुआ था, अन्यथा स्वतन्त्रता असंभव सी थी। जोकि समस्त क्षेत्रों की चैतन्यता के फलस्वरूप मिली।

पण्डित जी राष्ट्रवाद के सन्दर्भ में विस्तृत व्याख्या करते हुए कहते हैं झयूरोपीय राष्ट्रवाद और भारतीय राष्ट्रवाद में अन्तर है। यूरोपीय चिन्तन पारस्परिक संघर्ष की अवधारणा पर आधारित है। जबकि भारतीय राष्ट्रीयता का जन्म संघर्ष में नहीं हुआ है, अपितु सभ्यता के आरम्भ से ही भारत सांस्कृतिक राष्ट्र रहा है; जिसमें कई राजनैतिक सत्ताएँ थी किन्तु राष्ट्र एक था। भारत का राष्ट्रीय विचार न तो विस्तारवादी है, न ही साम्राज्यवादी और आक्रमणशील बल्कि भारतीय विचार वसुधैव कुटुम्बकम् पर आधारित है जो प्राणिमात्र के प्रति कल्याण का भाव रखता है। भारतीय विचार की तुलना पर वे कहते हैं-पश्चिम के राष्ट्रवाद से भारत के विचार की तुलना करना ही गलत है। पश्चिम ने द्वैत के आधार पर संघर्ष का नगाड़ा बजाया और भारत ने अद्वैत के आधार पर एकात्म की बाँसुरी बजायी। दोनों वाद्य होते हुए भी दोनों की स्वरलहरियों में भारी अन्तर है। इस भेद को समझकर हमें राष्ट्रवाद का विचार करना चाहिए।

स्पष्ट है जब पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राष्ट्रवाद शब्द का प्रयोग करते हैं तो यहां वे 'राष्ट्रीयता' को ही संबोधित करते हैं। आगे पंडित जी वे भूमि, जन, संस्कृति के संघात से राष्ट्र के निर्माण की बात कहते हैं। उनकी दृष्टि में भारतीय संस्कृति का अभिप्राय ही हिन्दू संस्कृति है। साथ ही उनके मतानुसार भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। भारत की एकात्मता तभी सम्भव है, जब संस्कृति के प्रति निष्ठा रहे। वे हिन्दू संस्कृति, शक्ति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सम्बन्ध में यथार्थबोध प्रस्तुत करते हैं-भारतीय राष्ट्रवाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद है, क्योंकि भारतवर्ष को राजनीति और हमलावरों ने कई बार विखण्डित किया, किन्तु संस्कृति ने उसे कश्मीर से कन्याकुमारी तक अखण्ड रखा। जहाँ हिन्दू संस्कृति और हिन्दू धर्म कमजोर हुआ वह हिस्सा भी देश से कट गया।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बंजर भूमि पर हो प्राकृतिक खेती का विकास

-उमेश चतुर्वेदी

एक और रिपोर्ट आई है, लैंड यूज स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लैंस 2012-13 टू 2021-22। इस रिपोर्ट का कहना है कि कहती है, 2018-19 से 2021-22 तक खेती योग्य जमीन का दायरा घटकर 180 .62 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 180 .11 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। यह रिपोर्ट राज्यों को सुझाती है कि औद्योगिक और निर्माण गतिविधियों आदि के लिए वे बंजर भूमि का उपयोग करें

देश में खेती की जमीन घट रही है या बढ़ रही है, इसे लेकर दो तरह की बातें की जा रही है। एक वर्ग का मानना है कि देश में खेती की जमीन बढ़ रही है। हालांकि जिस तरह शहरीकरण बढ़ रहा है, खासकर उपजाऊ जमीनों पर शहरों का निर्माण हो रहा है, उससे लगता तो नहीं कि खेती की जमीन बढ़ रही है। हालांकि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लोकसभा में पेश एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2018-19 में जहां 180624 हजार हेक्टेयर जमीन पर खेती होती थी, वह साल 2021-22 में बढ़कर 219158 हजार हेक्टेयर हो गई है। इससे तो हमें खुश होना चाहिए। क्योंकि चीन जैसे देश अपने यहां खेती योग्य जमीन की कमी को लेकर चिंतित हैं।

लेकिन एक और रिपोर्ट आई है, लैंड यूज स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लैंस 2012-13 टू 2021-22। इस रिपोर्ट का कहना है कि कहती है, 2018-19 से 2021-22 तक खेती योग्य जमीन का दायरा घटकर 180.62 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 180.11 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। यह रिपोर्ट राज्यों को सुझाती है कि औद्योगिक और निर्माण गतिविधियों आदि के लिए वे बंजर भूमि का उपयोग करें। संविधान के मुताबिक, भारत में भूमि राज्य सूची का विषय है। इसलिए राज्यों पर इसके लिए दबाव नहीं बनाया जा सकता। लेकिन दिल्ली, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश आदि के विकास को देखने से पता चलता है कि भारी मात्रा में खेती योग्य और बेहद उपजाऊ जमीन अब कंक्रीट के जंगल में बदल चुकी है। शायद यही वजह है कि अब बंजर भूमि को खेती योग्य बनाने को लेकर मांग उठने लगी है।

भारत में कुल 14 करोड़ हेक्टेयर पर नियमित खेती होती है। आज खेती की जो हालत है, जिस तरह उसमें कीटनाशकों और रासायनिक खादों का इस्तेमाल बढ़ा है, उसकी वजह से खेती की मिट्टी भी खराब हो चुकी है। अब कैंसर, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के लिए विशेषज्ञ रासायनिक खाद और कीटनाशक युक्त खेती को भी जिम्मेदार बता रहे हैं। पंजाब के बठिंडा से राजस्थान के जोधपुर के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन को कैंसर ट्रेन इसीलिए कहा जाने लगा है, क्योंकि इसमें ज्यादातर यात्री जोधपुर के कैंसर अस्पताल में अपना इलाज कराने जाते हैं। जाने वाले खेती की उपज के लिए मशहूर पंजाब राज्य के लोग होते हैं। इसी लिए अब प्राकृतिक, जैविक या नो बजट खेती की मांग बढ़ रही है। इस खेती के जरिए होने वाली उपज को स्वास्थ्य वर्धक माना जाने लगा है। लेकिन खेती की मौजूदा जमीन को सुधारना एक दिन का काम नहीं है और उसे सुधारने में बहुत वक्त लगेगा। इसलिए अब मांग होने लगी है कि भारत में जो वर्जिन लैंड यानी बंजर जमीन है, उसे तैयार करके उस पर प्राकृतिक और जैविक खेती करने के लिए अनुमति मिलनी चाहिए। वैसे देश की करीब 40 फीसद आबादी अपनी आजीविका के लिए बंजर भूमि पर निर्भर है। ज्यादातर यह आबादी मुख्यतः ग्रामीण है, अशिक्षित भी है या फिर इसमें हाशिए के लोग शामिल हैं। इस सिलसिले में दिल्ली में पांच अगस्त को पूरे दिनभर का सेमिनार भी हुआ, जिसमें राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता और कृषि उत्पादक और कारोबारी भी शामिल हुए। हर वर्ग का मानना था कि ऐसा किया जाना भारत के स्वास्थ्य, हाशिए पर पड़े लोगों की हैसियत सुधारने और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के 'बंजर भूमि एटलस' (2019) के अनुसार, देश में लगभग 55.76 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 16.96 प्रतिशत है।अगर उचित उपचार किया जाए तो लगभग 50% बंजर भूमि उपजाऊ बन सकती है। इस एटलस के अनुसार राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मिजोरम, मध्य प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और पश्चिम बंगाल की बंजर भूमि में सकारात्मक बदलाव आया है और उनमें से अधिकांश को कृषि भूमि, वृक्षारोपण और औद्योगिक क्षेत्रों आदि बनाने के लिए बदला जा रहा है।

यहां जान लेना चाहिए कि जो भूमि खाली पड़ी है, अनुत्पादक है, या जिसका पूरी क्षमता से उपयोग नहीं हो रहा हो, जिसकी उत्पादकता कम है, आमतौर पर उसे बंजर माना जाता है। उदाहरण के अनुसार, बंजर भूमि में क्षरित वन, जलभराव वाली दलदली भूमि, पहाड़ी ढलान, अपरदन वाली घाटी, अतिचारित चारागाह और सूखाग्रस्त चारागाह शामिल हैं। 1985 में स्थापित राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड यानी एनडब्ल्यूडीबी, के अनुसार बंजर भूमि को क्षरण की सीमा के आधार पर निम्नलिखित समूहों में बांटा गया है। इसमें पहली श्रेणी में सांस्कृतिक बंजर भूमि आती है, जिसका कई वजहों से फिलहाल उपयोग नहीं हो रहा, लेकिन यह भूमि उचित उपचार के बाद उपजाऊ हो सकती है। जैसे झूम खेती वाली भूमि, क्षरित चरागाह और चरागाह भूमि, क्षरित वन भूमि, क्षरित गैर-वनीय वृक्षारोपण भूमि, पट्टीदार भूमि, रेतीले क्षेत्र, खनन और औद्योगिक बंजर भूमि, नाले और बीहड़ भूमि, जलभराव और दलदली भूमि, और लवण प्रभावित भूमि इस दायरे में आती है। दूसरी श्रेणी कृषि-अयोग्य बंजर भूमि कही जाती है। इसमें वह जमीन आती है, जिसका अभी उपयोग नहीं हो रहा है, और किसी भी हालत में उपजाऊ नहीं हो सकती या यहां पेड़-पौधे नहीं उग सकते। इस श्रेणी में पथरीली, तीव्र ढलान वाली और बर्फ से ढकी जमीन आती है। कृषक समुदायों के लिए खतराः अनुमान है कि भारतीय जनसंख्या का 61.5% ग्रामीण है और कृषि पर निर्भर है, और देश में 57.8% ग्रामीण परिवार कृषि परिवार हैं। इसलिए, भूमि क्षरण कृषक समुदायों की स्थायी आजीविका सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। क्षरित और बंजर भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपाय आवश्यक हैं ताकि सामाजिक और आर्थिक कारणों से अनुपयोगी होते जा रहे क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करके और उत्पादन क्षमता के और नुकसान को रोककर पुनः प्राप्त किया जा सके। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि भूमि संसाधन सीमित हैं। यह कार्यक्रम 1989-90 से क्रियान्वित है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

लीबिया कैंपेन केस में फंसे फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी, हुई 5 साल की जेल

(एजेन्सी)।

पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को गुरुवार को पाँच साल की जेल की सजा सुनाई गई, जब पेरिस की एक अदालत ने उन्हें लीबिया के साथ अवैध चुनावी वित्तपोषण के लिए आपराधिक षड्यंत्र रचने का दोषी पाया। सरकोजी, जिन्होंने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है, पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर तत्कालीन अलग-थलग पड़ी लीबियाई सरकार का समर्थन करने के बदले में गद्दाफी के साथ चुनावी वित्तपोषण का सौदा करने का आरोप लगाया गया था। न्यायाधीश, जिन्होंने सरकोजी को भ्रष्टाचार सहित अन्य आरोपों से बरी कर दिया, ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि सरकोजी ने गद्दाफी के साथ ऐसा कोई सौदा किया था, न ही यह कि लीबिया से भेजा गया पैसा सरकोजी के चुनाव अभियान कोष में पहुंचा। सार्कोजी की सजा का मतलब है कि चाहे वे अपील करें या न करें, उन्हें जेल जाना ही होगा। जज ने सार्कोजी को 100,000 यूरो का जुमार्ना भी भरने का आदेश दिया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान

(एजेन्सी)।

अगले महीने से शुरू होने वाली भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया की टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज का पहला मैच 2 अक्तूबर से खेला जाना है। वहीं दूसरा टेस्ट 10 अक्तूबर को होना है। वहीं इस सीरीज के लिए टीम इंडिया में कई बदलाव हुए हैं। जहां टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपी गई है वहीं रवींद्र जडेजा को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। सीरीज के लिए अक्षर पटेल की वापसी हुई है जो इंग्लैंड दौरे से बाहर थे। वहीं करुण नायर का पत्ता कट गया है। इसके अलावा श्रेयस अय्यर को इस सीरीज के लिए सेलेक्ट नहीं किया गया है। क्योंकि उन्होंने बीसीसीआई से 6 महीने का रेड बॉल क्रिकेट से लंबा ब्रेक लिया है। अजीत अगरकर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया से करुण नायर और शार्दुल ठाकुर को ड्रॉप किया है। बता दें कि, ये दोनों खिलाड़ी टीम में शामिल थे। अभिमन्यू ईश्वरन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया।

इस दौरान अजीत अगरकर ने बताया कि ऑलराउंडर अक्षर पटेल और टॉप ऑर्डर बैटर देवदत्त पडिक्कल की वापसी हुई है। अक्षर ने आखिरी टेस्ट भारत के लिए 2024 फरवरी में खेला था, जबकि पडिक्कल ने 2024 नवंबर के महीने में टीम के लिए आखिरी टेस्ट मैच खेला था। शुभमन गिल (कप्तान), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नारायण जगदीशन।

पाकिस्तान में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने पुलिस कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या की

(एजेन्सी)।

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार सुबह अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने एक पुलिस कांस्टेबल की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सलीम अब्बास कुलाची ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा से लगे बन्नू जिले की दोमेल तहसील के बाचा खान चौक पर यह घटना हुई।

अधिकारी ने बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार हथियारबंद हमलावरों ने ड्यूटी पर जा रहे कांस्टेबल कुद्दुस पर हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। कांस्टेबल को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। कांस्टेबल कुद्दुस यहां वजीर अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) के साथ पहरेदार के रूप में तैनात थे और हमले के तुरंत बाद पुलिस की एक टुकड़ी मौके पर पहुंची तथा इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। डीपीओ कुलाची ने कहा कि जिले के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू किए गए हैं। पाकिस्तान में पिछले साल से आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा नवंबर 2022 में सरकार के साथ अपने संघर्ष विराम को समाप्त कर दिए जाने के बाद यह हमले अधिक तेजी से बढ़ रहे हैं।

भारत अपनी मजबूत आर्थिक बुनियाद से अनिश्चितता में भी जुझारू बना रहा: निर्मला सीतारमण

(एजेन्सी)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपने मजबूत वृहद-आर्थिक बुनियादी पहलुओं के दम पर जुझारूपन दिखाने में सफल रहा है। सीतारमण ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 91वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि पिछले एक वर्ष में वैश्विक माहौल में अनिश्चितता बढ़ी है और उसका असर विभिन्न देशों पर महसूस किया जा रहा है। उन्होंने कहा, लेकिन इन सबके बीच भारत की मजबूती अलग नजर आती है। मजबूत वृहद-आर्थिक बुनियाद, युवा जनसंख्या और घरेलू मांग पर अधिक निर्भरता भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य ताकत है। वित्त मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून

तिमाही में भी यह मजबूती बनी रही और इस अवधि में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा, यह महज संयोग नहीं है। यह सक्रिय राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियों, साहसिक संरचनात्मक सुधारों, बड़े पैमाने पर भौतिक एवं डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण, बेहतर शासन और प्रतिस्पर्धा में वृद्धि का परिणाम है।

इस मौके पर वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अधिक ऋण देने पर जोर दिया। उन्होंने बैंकों से शिक्षा ऋण को भी प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षा ऋण का कोई भी आवेदन अस्वीकार नहीं होना चाहिए। नागराजू ने बैंकों से कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में ऋण प्रवाह बढ़ाने का आग्रह किया। हालांकि इसके साथ उन्होंने कर्ज की गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहने के लिए भी कहा।

महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे संजय दत्त, भगवान भोलेनाथ के चरणों में टेका माथा

(एजेन्सी)।

फिल्म अभिनेता संजय दत्त ने गुरुवार को महाकाल मंदिर में दर्शन किए और भस्म आरती में भाग लिया। मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने महाकाल का आशीर्वाद लेने की अपनी पुरानी योजना का खुलासा किया। "मैं बाबा के दरबार में खड़ा होने का सौभाग्य पा रहा हूँ। मैं वर्षों से महाकाल के दर्शन करने की योजना बना रहा था। आखिरकार, आज बाबा ने मुझे यहाँ बुलाने का फैसला किया। मैं उनके आशीर्वाद की कामना करता हूँ।" भस्म आरती के अपने अनुभव को साझा करते हुए, दत्त ने कहा, "मेरे पास इसे बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। मैंने महाकाल की शक्ति का अनुभव किया। मैं प्रार्थना करता हूँ कि भोले बाबा मुझे फिर से बुलाएँ... हर हर महादेव।" दत्त की यह यात्रा मुंबई में अपने नए रेस्टोरेंट 'सोलेयर' के उद्घाटन की घोषणा के एक पखवाड़े बाद हो रही है। महाकाल लोक कॉरिडोर के निर्माण के बाद से यहाँ आने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है। आम जनता के अलावा, वीआईपी, राजनेता और बॉलीवुड हस्तियाँ भी बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेने के लिए यहाँ आते हैं, खासकर चुनाव या फिल्म लॉन्च जैसे बड़े आयोजनों से पहले।

केन्द्रीय रेल मंत्री रहे पाली दौरे पर, चूड़ी व्यवसाय, कुल्हड़ उद्योग व सिलाई प्रशिक्षण का किया अवलोकन

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव गुरूवार को पाली जिले के दौरे पर रहे। श्री वैष्णव पाली रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां पर उन्होंने स्टेशन का निरीक्षण किया और वहां पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि पाली से जालोर होकर दिल्ली के लिए भविष्य में ट्रेन प्रारंभ होगी साथ ही पाली स्टेशन का भी जल्द ही कायाकल्प होगा।

इस अवसर पर यूडीएच मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा, सांसद श्री पी पी चौधरी, मारवाड़ विधायक श्री केसाराम चौधरी, सोजत विधायक शोभा चौहान एवं जिला कलक्टर श्री एलएन मंत्री आदि मौजूद रहे। इसके बाद रेल मंत्री श्री वैष्णव हेमावास पहुंचे वहां पर उन्होंने चूडी बनाने के व्यवसाय का अवलोकन किया। रेल मंत्री नया गांव रीको एरिया में लघु उद्योग भारती गये जहां पर उन्होंने कुल्हड व्यवसाय के बारे में जानकारी ली और कहा कि इनकी क्वालिटी अच्छी है और इससे परम्परागत लघु उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने घोषणा कि पाली में बने कुल्हड का उपयोग रेलवे में किया जायेगा। उन्होंने इस अवसर पर वहां कार्य कर रहे कामगारों से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार की भी मंशा है कि स्वरोजगार, स्कील डवलपमेंट, महिला सशक्तिकरण में अधिक से अधिक लोग आगे बढे इसके लिये विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयास किया जा रहा है।

इसके बाद केन्द्रीय रेल मंत्री ने सेवा समिति में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और महिलाओं के सिलाई प्रशिक्षण, साधन रोजगार आय, मेंहदी और ब्यूटी पार्लर व्यवसाय और इनके माध्यम से जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलाव के बारे मे जानकारी ली।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री वैष्णव ने कहा कि लघु उद्योग से जुड़े ये सभी व्यवसाय व्यक्ति अपने घर से कर स्वयं के जीवन स्तर को सुधार सकते है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार महिला सशक्तिकरण पर बल दे रही है उन्होंने आमजन को अनेक जनकल्णाकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय हमारी प्रेरणाः सांसद

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला कार्यालय पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर गोष्ठी में बोलते हुए सांसद मनोज तिवारी ने बताया की पंडित जी हमारी प्रेरणा हैं। अंत्योदय और एकात्ममानवाद का विश्लेषण करें पता चलता है की पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने हमेशा अंतिम पंति में बैठे व्यक्ति की भी चिंता करना।

गरीब शोषित वंचित को आगे लेकर आने की सोच रखने वाले सिद्धांत को दीन दयाल उपाध्याय ने सोचा। सेल्फहैंड यानी की खुद से छोटे छोटे कार्य करके समाज में आगे बढ़ना। आज बहुत से छोटे छोटे समूह मिलकर स्वदेशी कार्यों में लिप्त है ये सब दीनदयाल जी की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहे है। डॉ यूके चौधरी ने बताया एकात्ममानवाद की परिभाषा को देखा जाए तो इसमें एकात्म मानववाद एक ऐसी धारणा है जो सर्पिलाकार मण्डलाकृति द्वारा स्पष्ट की जा सकती है जिसके केंद्र में व्यक्ति, व्यक्ति से जुड़ा हुआ एक घेरा परिवार, परिवार से जुड़ा हुआ एक घेरा-समाज, जाति, फिर राष्ट्र, विश्व और फिर अनंत ब्रह्माण्ड को अपने में समाविष्ट किये है।

बैठक में मोहन गोयल, राज कुमार झा, विनोद जायस, प्रमोद गुप्ता, अनिल गौड़, जगत नारायण गुप्ता, मीडिया प्रभारी दीपक चौहान, भाजपा नेता आनंद त्रिवेदी, मुकेश गोयल, जितेंदर शर्मा, अनिल त्यागी, हितेंदर त्यागी, अनंत गोपाल, बिट्टू, राकेश देढ़ा, सत कुमार शर्मा, नेहा उप्रेती, अमर राय आदि लोग उपस्थित रहे।

राज्य के विश्वविद्यालयों में पंडित दीनदयाल के जीवन दर्शन पर बनेगी शोध पीठः विधानसभा अध्यक्ष

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महापुरुष की दूरदर्शिता, विचारशीलता और भारतीय राजनीति को नई दिशा देने वाले दर्शन पर आधारित अनुसंधान के लिए राज्य के विश्वविद्यालयों में शोध पीठ बनेगी। उन्होंने कहा कि भारतीयता पर आधारित शिक्षा से ही संस्कार मिलेंगे और इसी से भारतीय संस्कृति विश्व में सिरमौर बन सकेगी।

श्री देवनानी गुरुवार को धानक्या में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109 वीं जयंती पर आयोजित व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पंडित उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री देवनानी ने इस मौके पर पंच परिवर्तन पर कार्य करने वाले प्रबुद्ध जन और पंडित उपाध्याय के जीवन दर्शन पर अनुसंधान करने वाले शोधार्थियों का सम्मान भी किया। श्री देवनानी ने पंडित दीनदयाल की राजस्थान यात्रा पुस्तक का विमोचन किया।

श्री देवनानी ने कहा कि पंडित उपाध्याय की स्वदेशी उत्पादों के उपयोग की दूरदर्शी सोच आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जीवन मूल्य पर आधारित जीवन रचना में ही जीवन यापन करें। परिवार भारतीय संस्कृति का मूल है। कर्तव्य आधारित राष्ट्र की नीति के अनुरूप ही विकास करना होगा। गरीब का उन्नयन ही विकसित भारत की अवधारणा है। श्री देवनानी ने कहा कि मानसिक शांति वाला वातावरण भारतीय परिवेश में ही मिल सकता है। हरिद्वार और पुष्कर में अन्य देशों के लोग आकर यहां की मिट्टी से जुड़कर आनंद का अनुभव करते हैं। आदर्श जीवन की अवधारणा जीवन की सफलता का सदमार्ग है। श्री देवनानी ने कहा कि स्वदेशी के भाव से ही राष्ट्र आत्मनिर्भर बन सकेगा और कोई भी विदेशी ताकत हमारी और आंख उठाकर नहीं देख सकेगी।

समारोह के मुख्य वक्ता श्री अरुण जैन ने पंडित उपाध्याय के एकात्म मानववाद से एकात्म मानव दर्शन पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीयता के मूल सिद्धांतों पर चलना होगा। अपनी जड़ों से जुड़कर रहना होगा। भारतीय रीति नीति और परंपराओं को बनाए रखना होगा। भारतीय परिप्रेक्ष्य की सोच के अनुरूप ही नीतियों का क्रियान्वयन किया जाना आवश्यक है। विधायक श्री गोपाल शर्मा ने पंडित उपाध्याय को भारतीय राजनीति व संस्कृति का राजदूत बताया। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल के बताए मार्ग पर चलना होगा। पंडित उपाध्याय ने भारतीय राजनीति की दिशा बदली और अपने रोम-रोम को भारत के लिए समर्पित किया।

श्री देवनानी ने इस मौके पर आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी, स्थानीय स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी और स्मारक स्थल का भी अवलोकन किया। समारोह में सांसद श्री राव राजेंद्र सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

शिक्षा मंत्री ने जोधपुर में किया शहरी सेवा शिविर का अवलोकन

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आयोजित किए जा रहे शहरी सेवा शिविर-2025 का गुरुवार को शिक्षा एवं पंचायती राज एवं प्रभारी मंत्री श्री मदन दिलावर ने अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉलों पर पहुंचकर अधिकारियों एवं लाभार्थियों से संवाद स्थापित किया और शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अवलोकन के दौरान शिक्षा मंत्री ने उन लाभार्थियों से भी बातचीत की, जिन्हें वर्षों से लंबित पट्टे शिविर के माध्यम से प्राप्त हुए।

श्री दिलावर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में अधिक से अधिक आमजन को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत एवं प्रकरण का त्वरित निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा की नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो, ताकि योजनाओं का लाभ सीधा आमजन तक पहुँचे। श्री दिलावर ने सभी अधिकारियों को अपने स्टॉल पर लाभार्थियों को योजनाओं की पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा की शिविरों में आने वाले सभी नागरिकों से संवेदनशीलता और सहयोगपूर्ण व्यवहार किया जाए।

मनरेगा पदाधिकारियों ने चलाया सफाई अभियान

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। गुरुवार को मंसूरचक प्रखंड कार्यालय में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा को लेकर मनरेगा के कर्मियों ने चलाया सफाई अभियान जगह जगह पडे कचरे के ढेर को उठवाया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। मौके पर पंचायती राज पदाधिकारी जयंत कुमार लेखपाल सच्चिदानंद, पंचायत रोजगार सेवक बर्जेश कुमार, बीएफटी संजय कुमार, मनोज कुमार, किशन कुमार, नीतीश कुमार सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

राज्य सरकार के लिए मार्गदर्शक हैं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सुख की कामना करते हुए एकात्म मानववाद का दर्शन दिया। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता ही हमारी संस्कृति और गांवों की व्यवस्था का आधार रही है, यह स्वावलंबन की भावना ही पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का आधार थी। पं. दीनदयाल उपाध्याय और महात्मा गांधी के विचारों में बहुत समानता थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पं. दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सिंदूर का पौधा भी रोपा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंडित दीनदयाल के विचार राज्य सरकार के लिए मार्गदर्शक हैं। हम प्रदेश के गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी सुधारों के माध्यम से देशवासियों को बड़ी सौगात दी है। इससे छोटे व्यापारियों और कारीगरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था और देश के किसानों, कारीगरों, छोटे व्यापारियों की बेहतरी के लिए सभी से स्वदेशी अपनाने का आव्हान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, संगठन मंत्री श्री हितानंद शर्मा, सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि, ट्रैफिक पुलिस का चेकिंग अभियान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला/बरवाला। पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज के मार्गदर्शन व डीसीपी ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन के नेतृत्व में सूरजपुर ट्रैफिक टीम ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए एक विशेष अभियान चलाया।

इस अभियान के तहत बरवाला क्षेत्र में सूरजपुर ट्रैफिक एसएचओ अभिषेक कुमार ने नाकेबंदी कर स्कूली वाहनों, विशेषकर स्कूल बसों का निरीक्षण किया। इस दौरान चालकों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सभी सुरक्षा मानकों जैसे फिटनेस सर्टिफिकेट, फर्स्ट एड बॉक्स, स्पीड गवर्नर, अग्निशमन यंत्र व स्कूल का नाम लिखे जाने जैसी अनिवार्य शर्तों को पूरा रखने के लिए जागरूक किया गया।

निरीक्षण के दौरान ट्रैफिक टीम ने चालकों को यह भी चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। डीसीपी ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं कि किसी भी बच्चे की जान खतरे में न पड़े। अभिभावक, स्कूल प्रशासन और पुलिस तीनों मिलकर ही सुरक्षित यातायात व्यवस्था को सफल बना सकते हैं।

यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि स्कूली वाहनों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को रोका जा सके और बच्चों को सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराया जा सके।

बालिका विद्यालय में चलाया गया सफाई अभियान

एसबी संवाददाता

मंसूरचक। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा को लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार राय के निर्देश पर सभी पंचायतों के विभिन्न विद्यालयों में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा स्वच्छता रैली निकाली गयी। बच्चों ने विभिन्न स्वच्छता नारा लगाकर आमजनों के बीच स्वच्छ्ता का संदेश दिया। बच्चों के बीच हाथ धुलाई कार्यक्रम चला कर हाथ धोने का सही तरीका बताया गया। इस क्रम में शिक्षकों एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक द्वारा बच्चों को बताया गया कि केवल खाना खाने से पहले एवं शौच के बाद साबुन से हाथ सही तरीके से धोकर 40-50 प्रतिशत संक्रमण से होने वाली बीमारियों से बचा सकता है। बच्चों को स्वच्छता शपथ भी दिलायी गयी।

उक्त मौके पर विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार सहित विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक कर्मी ने झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। मौके पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय दशरथपुर के प्रधानाध्यापक अभय कुमार चौधरी, किरंजन कुमार, विजय कुमार, राजीव कुमार, सचिन कुमार, नौशाद अहमद, मो। साजिद आलम, आलोक कुमार, अनुभव कुमार, राजीव रजक, इंदु कुमारी मधुलिका शेखर, सुप्रिया कुमारी, किरण कुमारी, अभय कुमार सहित अन्य शिक्षक कर्मी मौजूद थे।

हमने हर काल में आई चुनौतियों का सामना स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की ताकत से किया: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वदेशी की ताकत से ही हमारी संस्कृति, हजारों हजार साल से अपने गौरव-गरिमा और समृद्धता के साथ विद्यमान है। हर युग और हर काल में आई चुनौतियों का हमने स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की ताकत से ही सामना किया है। महात्मा गांधी ने स्वदेशी के बल पर ही देश को आजादी दिलाई थी। उन्होंने ने जन-जन को विदेशी वस्तुओं को त्यागने और विदेशी वस्त्रों की होली जलाने के लिए प्रेरित किया। अपनी माटी, अपने देश और स्वदेशी व्यवस्था के प्रति हम सबके मन में सम्मान होना चाहिए। महात्मा गांधी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों में बहुत समानता थी। महात्मा गांधी और पं. दीनदयाल उपाध्याय भारतीय संस्कृति की लंबी विचार प्रक्रिया के संवाहक हैं। दोनों का ही विचार था कि स्वावलंबन और स्वदेशी के बीज से ही आत्मनिर्भरता का वटवृक्ष बनेगा और भारत, विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जंयती के अवसर पर मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय स्वदेशी जागरण सप्ताह के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। रवीन्द्र भवन में आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलाचरण के बीच दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ भारती, महात्मा गांधी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर गायत्री परिवार, ब्रह्म कुमारी संगठन, पंतजलि समूह और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने स्वदेशी के प्रति अपनी प्रतिबद्धिता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्वदेशी संकल्प समर्थन-पत्र सौंपे। कार्यक्रम में स्वदेशी पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वदेशी जागरण सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर निकाली गई रैली में मानस भवन से पैदल मार्च करते हुए शामिल हुए। रैली के माध्यम से उद्योग जगत, व्यापारी बन्धुओं, दुकानदारों, विक्रेताओं, छात्र-छात्राओं और समस्त समाज के सदस्यों को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली स्वदेशी पर केंद्रित नारों के माध्यम से जन-जागरण करती हुई रवीन्द्र भवन पहुंची।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वदेशी जागरण सप्ताह में स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार-प्रसार करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में स्वदेशी जागरण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। यह महाअभियान प्रदेश के 313 विकासखंडों में पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितम्बर से महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक चलेगा। प्रसन्नता का विषय है कि आगामी माहों में भोपाल, बैतूल, शिवपुरी और उज्जैन में स्वदेशी मेले आयोजित किए जाएंगे।

अस्पतालों में की जाएगी 2,000 विशेषज्ञ डॉक्टर्स की भर्तीः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस से प्रारंभ किए गए सेवा पखवाड़ा एवं स्वस्थ नारी- सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत सीहोर जिले के बिलकिसगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि अस्पतालों में 2000 विशेष डॉक्टर्स की भर्ती की जाएगी। उन्होंने शिविर में दी जा रही चिकित्सा सेवाओं और रक्तदान शिविर का अवलोकन किया तथा रक्तदान करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित भी किया। अस्पताल के निरीक्षण के दौरान श्री शुक्ल ने चिकित्सकों से योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की और प्रबंधन एवं संचालन को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मरीजों को पोषण टोकरी भी प्रदान की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचें और विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी झ सशक्त परिवार अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों की स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी समस्याओं की पहचान कर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस अभियान में ईट-राइट, पोषण माह, योग जैसे वेलनेस कार्यक्रम और निक्षय मित्र जैसी पहल भी शामिल हैं।

5 अक्टूबर को होगा कवि सम्मेलन का आयोजन

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। काव्य हिन्दुस्तान अंतरराष्ट्रीय साहित्य समूह एक बार और चला पटना बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन की ओर 5 अक्टूबर 2025 रविवार को आठवां कवि सम्मेलन पौधा वितरण, सम्मान समारोह की और समूह द्वारा भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह, पौधा वितरण, 5 अक्टूबर 2025 बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन पटना में आयोजित किया जा रहा है। इसमें आने वाले आमंत्रित वरिष्ठ साहित्यकारा मुख्य अतिथि डॉ. रत्ना पुरकायस्था दूरदर्शन निर्देशक उतरप्रदेश डॉ. सुनीता पंद्रो भोपाल से पधार रही हैं संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापिका रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने देश-विदेश से साहित्यकारों का आह्वान किया है। इसमें देश के बहुत सारे साहित्यकारों की स्वीकृति प्रदान हुई है।८

यह संस्था द्वारा आयोजित आठवां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह आयोजित होगा इस कार्यक्रम की व्यवस्था डॉ. मीना कुमारी परिहार द्वारा संपन्न होगी संस्थापिका एंव राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने आप सभी साहित्यकारों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आप रेखा शर्मा 'स्नेहा' से संपर्क कर सकते हैं- 8809523091.

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।
संपर्क करें: 9871221635

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने करनाल को दी 28 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी
करनाल। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को करनालवासियों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के शुभारंभ अवसर पर लगभग 28 करोड़ रुपये की लागत से तैयार विभिन्न स्वास्थ्य व बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने 12 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से बने सीएचसी निगदू, आठ करोड़ 89 लाख रुपये की लागत से जिला नागरिक अस्पताल के सौंदर्यीकरण कार्य और 55 लाख 50 हजार रुपये की लागत से निर्मित एसएचसी बाल रांगड़ान का लोकार्पण किया। इसके अलावा उन्होंने 10 अन्य उप स्वास्थ्य केंद्रों-बला, रांवर, स्टौंडी, गोली, फफड़ाना, रत्तक, कैमला, बल्हेड़ा और बीजना-के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया, जिन पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने और आमजन को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मजबूत स्वास्थ्य ढांचा ही आत्मनिर्भर भारत की नींव है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से करनाल और आसपास के हजारों लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी, उन्होंने जोड़ा।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। लोगों ने इन परियोजनाओं को क्षेत्र की जरूरत बताते हुए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

एक नवंबर से पात्र महिलाओं के खाते में आने लगेंगे 2100 रुपये: केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी
करनाल। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को एक नवंबर से प्रतिमाह 2100 रुपये मिलने शुरू हो जाएंगे। वे गुरुवार को करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वायदा किया था कि लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करेंगे और यह करके दिखा दिया है। इस अवसर पर योजना का एप्लीकेशन भी लॉन्च किया गया। मंत्री ने बताया कि जो महिलाएं अक्टूबर तक अपना पंजीकरण करा लेंगी, उनके खाते में राशि सीधे एक नवंबर से पहुंचनी शुरू हो जाएगी। यह योजना 23 से 60 वर्ष आयु वर्ग की उन महिलाओं के लिए है जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि वे महान चिंतक और अंत्योदय के प्रणेता थे। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पौधारोपण, रक्तदान, स्वास्थ्य जांच शिविर जैसे कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। स्वच्छ भारत अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने सफाई पर गंभीरता नहीं दिखाई, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे जन आंदोलन बना दिया।

केंद्रीय मंत्री ने भविष्य में बुढ़ापा पेंशन 3000 से बढ़ाकर 3200 रुपये करने की भी घोषणा की और कहा कि आयुष्मान, पीएम आवास, ड्रोन दीदी जैसी योजनाएं गरीबों और महिलाओं के जीवन में बदलाव ला रही हैं।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि यह योजना अंत्योदय के सिद्धांत पर आधारित है और हरियाणा की लगभग 21 लाख महिलाएं इसका लाभ उठाएंगी। इनमें 18.14 लाख विवाहित और 2.82 लाख अविवाहित महिलाएं शामिल हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार ने 5000 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट निर्धारित किया है। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने केंद्रीय मंत्री और विधायक को स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम में एसपी गंगाराम पूनिया, एडीएम सोनू भट्ट, निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीण लाठर, सांसद प्रतिनिधि कविंद्र राणा सहित अनेक अधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजौंद में उपायुक्त प्रीति के निर्देशों का असर सिवरेज व सड़क निर्माण कार्यों में आई रफ्तार

मुख्यमंत्री हरियाणा के आदेश व उपायुक्त कैथल प्रीति के निर्देश पर राजौंद में सिवरेज व सड़क निर्माण कार्य में आई तेजी। (छाया: एसबी)

■ व्यापारियों व नागरिकों ने जताया आभार

जिला ब्यूरो प्रमुख निर्मल कुमार
राजौंद। राजौंद की सड़कों पर आखिरकार विकास कार्यों की रफ्तार लौट आई है। उपायुक्त कैथल प्रीति के हालिया दौरे के दौरान दिए गए निर्देशों का असर अब नगर की मुख्य सड़क पर साफ नजर आने लगा है। लंबे समय से अधूरे पड़े सिवरेज और सड़क निर्माण कार्यों ने गति पकड़ ली है, जिससे वाहन चालकों व नागरिकों को राहत की उम्मीद बंधी है।

मेन बाजार मार्केट युनियन प्रधान भीम सिंह राणा

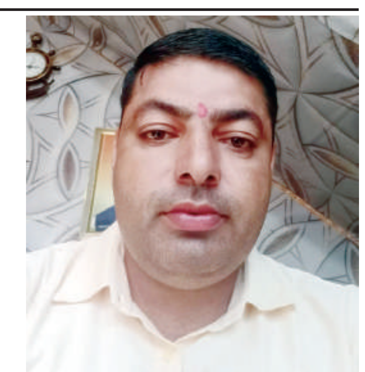

महाराणा प्रताप चौक मार्केट यूनियन प्रधान सन्नी शर्मा

मेन बाजार मार्केट यूनियन प्रधान भीम सिंह राणा ने कहा कि यूनियन ने बार-बार मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी और उपायुक्त प्रीति से नगर की समस्याओं को लेकर गुहार लगाई थी। ह्वअब मुख्यमंत्री के आदेश और उपायुक्त के निर्देशों पर पीडब्ल्यूडी व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग हरकत में आ गए हैं। जिस तरह से काम चल रहा है, उससे जल्द ही नगर का स्वरूप बदलेगा,ह्व उन्होंने कहा।

महाराणा प्रताप चौक मार्केट यूनियन प्रधान सन्नी शर्मा ने बताया कि सिवरेज पाइपलाइन दबाने के चलते सड़कों का हाल बेहद खराब हो गया था। उन्होंने कहा कि राहगीरों और दुकानदारों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही थी। लेकिन अब कार्यों में तेजी आई है और उम्मीद है कि जल्द ही साफ-सुथरी सड़कें नजर आएंगी।

नपा चैयरपर्सन बबीता

समाजसेवी सचिन कुमार

नपा चैयरपर्सन बबीता ने बताया कि नपा राजौंद क्षेत्र पर हरियाणा सरकार का विशेष आशीर्वाद है। सिवरेज कार्य पूरा होने व सड़क निर्माण कार्य पूरा होने पर नपा राजौंद का विकास धरातल पर दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि नपा राजौंद में लगातार, बिना किसी रूकावट, ईमानदारी व जिम्मेदारी से सामूहिक प्रयास से विकास कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हरियाणा के आदेश व उपायुक्त कैथल के निर्देश पर राजौंद के सिवरेज व सड़क निर्माण कार्य में तेजी आई है।

समाजसेवी सचिन कुमार ने कहा कि सिवरेज निर्माण कार्य के चलते, सड़क पर खुदाई कार्य चलने से नागरिकों, वाहन चालकों, स्कूल जाते विद्यार्थियों को जो परेशानी हुई है वह बहुत जल्द दूर होने वाली है। मुख्यमंत्री हरियाणा के विशेष आदेश व उपायुक्त कैथल के निर्देशन में राजौंद का सड़क निर्माण कार्य बहुत जल्द पूरा होगा। नपा राजौंद का चहुंमुखी विकास होगा। नागरिकों को गंदे पानी की निकासी की समस्या से निजात मिलेगी।

व्यापारी वर्ग और आम नागरिकों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व उपायुक्त प्रीति का आभार जताते हुए अपेक्षा की है कि कार्यों की निगरानी लगातार बनी रहे और समयबद्ध तरीके से विकास कार्य पूरे किए जाएं।

नपा राजौंद का सख्त कदम: अवैध कूड़ा स्थलों पर लगाई रोक

हरियाणा सरकार व प्रशासन के निर्देश अनुसार नपा राजौंद क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को दिया जा रहा बढ़ावा: नपा सचिव नरेंद्र शर्मा

■ महर्षि वाल्मीकि मंदिर परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' योजना के तहत हुआ पौधारोपण -नपा चैयरपर्सन बबीता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। नगर पालिका राजौंद ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण पहल करते हुए नपा क्षेत्र राजौंद में बिना अनुमति बनाए गए कूड़ा स्थलों (डम्पिंग यार्ड) को बंद करने का अभियान चलाया है। नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार व उच्चाधिकारियों के निर्देश पर नपा राजौंद क्षेत्र में फैली गंदगी और अवैध डम्पिंग के कारण नागरिकों को हो रही परेशानी को देखते हुए नपा ने यह सख्त कदम उठाया है। इस कार्रवाई से शहरवासियों में भी सकारात्मक संदेश गया है कि अब स्वच्छता के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। नगर पालिका राजौंद ने पर्यावरण को संतुलित और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए "एक पेड़ मां के नाम" योजना के तहत पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया। यह कार्यक्रम महर्षि वाल्मीकि मंदिर एवं आश्रम (ट्रस्ट) परिसर में संपन्न हुआ।

नपा चेयरपर्सन बबीता ने कहा कि स्वच्छता और हरियाली दोनों ही समाज के स्वास्थ्य और विकास के लिए आवश्यक हैं। नगर क्षेत्र में बिना अनुमति कूड़ा स्थल बनाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों का सहयोग जरूरी है। 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में महर्षी वाल्मिकी मंदिर एवं आश्रय ट्रस्ट में फौधा रोपण कर नागरिकों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने को लिए प्रेरित किया गया है।

इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी सदस्य कपिल दिक्षित, पार्षद जौनी राणा, पार्षद प्रतिनिधि कर्म सिंह, जेई अश्विनी, सफाई कोऑर्डिनेटर प्रदीप कुमार धॉदी, सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार, सचिन कुमार सहित नगर पालिका कार्यालय स्टाफ और सभी सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों व कार्यकताओं ने भी भाग लिया और पौधारोपण अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। उपस्थित नागरिकों ने नगर पालिका की इस पहल की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि स्वच्छ और हरा-भरा राजौंद बनाने में वे भी योगदान देंगे।

इस प्रकार, नपा राजौंद का यह अभियान स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा।

भाजपा अर्बन मंडल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी
करनाल। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत भाजपा अर्बन मंडल द्वारा बूथ नंबर 227 पर महामंत्री राजेश गोयल के विकास कॉलोनी स्थित कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। सभी कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को शत-शत नमन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा अर्बन मंडल अध्यक्ष गौरव खुराना ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को नमन करते हुए उनकी जीवनी के प्रेरणादायक प्रसंग कार्यकर्ताओं को सुनाए। उन्होंने कहा कि पंडित जी 1953 से 1968 तक भारतीय जनसंघ के प्रमुख नेता रहे। वे एक गंभीर दार्शनिक, चिंतक और संगठनकर्ता थे जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत शुचिता एवं गरिमा के उच्च मानक स्थापित किए। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के समय से ही वह पार्टी के वैचारिक मार्गदर्शक और नैतिक प्रेरणा-स्रोत रहे।

गौरव खुराना ने कहा कि उनका राजनीतिक दर्शन मानव मात्र की आवश्यकताओं और प्राकृतिक आवास के अनुकूल एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन प्रस्तुत करता है। 'अनेकता में एकता' और विविधता में समरसता भारतीय संस्कृति की मूल सोच रही है, जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर महामंत्री राजेश गोयल, संजीव बजाज, युवा मोर्चा अर्बन मंडल अध्यक्ष रवि शर्मा करतारपुर, सचिव श्वेता मेहता, आईटी प्रमुख राकेश बत्रा, मीडिया सह प्रभारी दलसिंह राणा, कार्यालय प्रमुख जगदीप वधावन, शक्ति केंद्र प्रमुख जसवीर राणा, कृष्ण जागलान सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकारी मापदंड के अनुसार की जाए धान की खरीद, किसानों को नहीं आनी चाहिए कोई परेशानी: एसडीएम अजय हुड्डा

■ धान खरीद सीजन को लेकर कलायत एसडीएम ने ली अधिकारियों की बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
कलायत। एसडीएम कलायत अजय हुड्डा ने कहा कि धान खरीद का सीजन शुरू हो चुका है। तहसीलदार कलायत को इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है। सभी संबंधित अधिकारी धान की खरीद सरकारी मापदंड के अनुसार की जाए।

सभी मंडियों व खरीद केंद्रों पर बिजली व पीने के पानी की पूर्ण व्यवस्था होनी चाहिए। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। एसडीएम अजय हुड्डा बुधवार सायं खरीफ सीजन को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी व कर्मचारी इस बारे सरकार द्वारा समय-समय पर जारी हिदायतों अनुसार कार्य करना सुनिश्चित करें। सभी मंडियों व खरीद केंद्रों पर सफाई की पूर्ण व्यवस्था हो। जरूरी कीटनाशक व मच्छर मार दवाइयों का छिड़काव समय पर करवाएं। मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारी मंडी में आने जाने वाले वाहनों के लिए संबंधित सड़कों की मरम्मत करवाना सुनिश्चित करें। सभी आढ़तियों के पास इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल कांटे होने चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें कि मंडी में धान की कोई फर्जी खरीद न हो तथा खरीद से संबंधित रिकार्ड पूर्ण रूप से समय पूर्वक तैयार किया जाए। मार्किट कमेटी सचिव मंडी व खरीद केंद्रों के प्रवेश व निकास द्वार पर सीसीटीवी कैमरा लगवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी फसल को सुखाकर व साफ करके मंडियों में लेकर आएं, ताकि किसानों का न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके।

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने फतेहाबाद में जीएसटी रिफॉर्म्स के बारे में नागरिकों को किया जागरूक

■ विभिन्न प्रतिष्ठानों का दौरा कर खरीदारों से की बातचीत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार
चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने वीरवार को राज्य में लागू नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जिला फतेहाबाद के विभिन्न प्रतिष्ठानों का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जीएसटी दरों में हाल ही में की गई कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि बचत उत्सव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसका उद्देश्य देश के हर नागरिक को जीएसटी सुधारों का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हर वर्ग को इस ऐतिहासिक कर सुधार से फायदा हो। उन्होंने कहा कि यह बचत उत्सव सरकार की आम जनता और किसानों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने भट्टू रोड पर बने इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में मौजूद ग्राहकों से बातचीत की और उन्हें सरकार द्वारा किए गए नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स के बारे में जानकारी दी, जिससे रोजमर्रा की वस्तुएं और टिकाऊ सामान सस्ते हो गए हैं। उन्होंने ग्राहकों को इस बचत का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद, वे शहर के अन्य मॉल में पहुंचे, जहां उन्होंने खुदरा विक्रेताओं से बात की और यह सुनिश्चित करने के लिए बिलों की भी जांच की। उन्होंने मौके पर मौजूद कराधान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि जीएसटी दरों में कमी को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है और ग्राहकों को इसका लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने दुकानदारों से ग्राहकों को सही बिल देने और कीमतों में कमी का पूरा लाभ देने का आग्रह किया।

श्री पंवार ने एक अन्य ट्रैक्टर शोरूम का दौरा किया और खरीदारों से बातचीत की और उन्हें बचत उत्सव की बधाई दी। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से किसानों को भी बड़ा लाभ मिला है, क्योंकि अब कृषि उपकरण और ट्रैक्टर जैसे सामान भी सस्ते हो गए हैं।